AVAKASH

Newsletter

of

the

Retired ISRO Officers' Association Ahmedabad

(RIOAA)

Retired ISRO Officers Association, Ahmedabad

(www.rioaa.com)

(January - March 2024)

⌘

25 साल - बीपीए का साथ

मधुरलता शर्मा

ब्लाइंड पीपल एसोसिएशन (बीपीए) से मेरा रिश्ता 25 साल पुराना है।

I can clarify my relations with my students, with these lines

मेरा तुमसे रिश्ता है एक अजब पहेली, कभी बहन कभी मां और कभी बनी सहेली।
तुमने मुझको देखा अपने मन की आंखों से, मैंने भी सहलाया तुम को स्नेह की पांखों से।

1995-96 की बात है मैं अपनी एक सहेली के साथ अंधजन मंडल आई थी और वहां का वातावरण देख कर अनायास ही मेरे मन में आया काश मैं भी इन लोगों के लिए कुछ कर पाती। उसके कुछ साल बीत जाने के बाद शायद यह मेरा प्रारब्ध था कि 1999 में हमने वस्त्रापुर कॉलोनी में शिफ्ट किया जो ब्लाइंड स्कूल के बहुत समीप है और मुझे अचानक अपने मन में सोची बात याद आ गई और मैं वहां जा कर वहां के डायरेक्टर से मिली तो उन्होंने मुझे कहा कि आप एक रीडर की तरह फिजियोथैरेपी डिपार्मेंट में स्टूडेंट के लिए रीडिंग कर सकती है। मेरी मास्टर्स लिटरेचर में होने के कारण मुझे थोड़ी झिझक हुई कि मैं फिजियोथैरेपी वाले स्टूडेंट्स के लिए कैसे रीडिंग कर सकती हूँ लेकिन हमारे डिपार्टमेंट के हेड ने मुझे प्रोत्साहित किया और मैं फिजियोथैरेपी की किताबें जो इंग्लिश में थी उनको हिंदी में ट्रांसलेट करना और स्टूडेंट के लिए उसे हिंदी में एक्सप्लेन करना शुरू किया। एक मजेदार बात है कि बहुत सारे मेडिकल टर्म जिनका उच्चारण मुझे समझ नहीं आता था उस उच्चारण को सही करने में मेरे स्टूडेंट मेरी मदद किया करते थे। सच कहूँ तो मैंने बीपीए में अपने स्टूडेंट से भी बहुत कुछ सीखा है।

उन्हीं दिनों मेरा संपर्क मेरे एक प्रज्ञाचक्षु साथी से हुआ जो एक्यूप्रेशर में एक्सपर्ट था। उसके साथ उसके लिए रीडिंग और ट्रांसलेशन करते हुए मेरा एक्यूप्रेशर में

इंटरेस्ट बढ़ने लगा और मैंने उससे एक्यूप्रेशर सीखना शुरू किया। दो-तीन महीने सीखने के बाद मुझे लगा कि मुझे और पढ़ना चाहिए और मैं अलग-अलग जगह से एक्यूप्रेशर की किताबें लेकर उनका अध्ययन करना शुरू किया। कुछ समय पश्चात मेरे उस प्रज्ञाचक्षु साथी ने अपना क्लीनिक खोल लिया ।

इसके पश्चात एक दिन हमारे डिपार्टमेंट के हेड ने मुझे कहा कि हमारे फिजियोथेरेपी के स्टूडेंट्स को एक्यूप्रेशर पढ़ने में इंटरेस्ट है, मैं चाहता हूँ कि आप उनको पढाऐं। इस तरह एक नई जिम्मेवारी पाकर मेरा आत्मविश्वास बढ़ा और मैंने एक्यूप्रेशर पढ़ाना शुरू किया॥ साथ-साथ में हम फिजियोथैरेपी का ट्रीटमेंट लेने आए पेशेंट को एक्यूप्रेशरका ट्रीटमेंट भी देते थे जिसका पेशेंट को बहुत लाभ होता था । धीरे-धीरे एक्यूप्रेशर का असर देखते हुए फिजियोथैरेपी डिपार्टमेंट में एक 6 महीने का कोर्स शुरू हो गया और इस तरह से धीरे-धीरे मैं बीपीए परिवार का एक हिस्सा बन गई और मेरी दिनचर्या में बीपीए इस तरह से शामिल हो गया कि जैसे वह मेरे जीवन का एक हिस्सा है। मैं ऐसा कह सकती हूँ की मेरे अंदर जो भी परिवर्तन आया वह बीपीए की ही देन है।

साल दर साल बीतते गए और इन सालों में मैंने अपने साथ काम करने वाले प्रज्ञाचक्षु टीचर्स को पास से जानने का मौका मिला तो मुझे समझ आया कि भगवान जब कोई एक शक्ति छीन लेता है तो दूसरी शक्तियां भरपूर मात्रा में देता है अर्थात जो लोग आंखों से नहीं देख सकते उनकी महसूस करने की शक्ति इतनी बढ़ जाती है कि उस तरह से आम इंसान कभी भी नहीं कर सकता। मेरे साथ काम करने वाले मेरे प्रज्ञाचक्षु साथी की सुनने और याद रखने की शक्ति अकल्पनीय थी वह पेशेंट के चलने की आवाज से पहचान लेते थे कि उसके पांव में किसी प्रकार की तकलीफ है। किसी का भी फोन नंबर एक बार उनके सामने बोल दिया जाए तो एक कंप्यूटरकी तरह उनके दिमाग में दर्ज हो जाता था ।

प्रज्ञाचक्षु विद्यार्थियों के साथ काम करते हुए मुझे यह बात समझ में आ गई कि यह लोग किसी भी प्रकार से दया के पात्र नहीं है । इनको समाज में समान अधिकार चाहिए हमें इनको अपने जैसा समझना चाहिए । मैं तो ऐसा मानती हूँ कि कुछ चीजों में वह साधारण मनुष्यसे अधिक समझने की और महसूस करने की शक्ति रखते है । आप लोगों को हैरानी होगी कि मेरे स्टूडेंट अपनी दृष्टिहीनता को कभी भी अपनी कमी नहीं मानते ।

इसी प्रकार साल बीत गए और 2014 में मुझे एक ऐसा अवसर प्राप्त हुआ कि जिसकी कभी मैंने कल्पना नहीं की थी ।

एक पढ़ी- लिखी ग्रहणी, जो मैं थी, उसे एक थैरेपिस्ट बनने का मौका मुझे वीपीए ने दिया।

जापान द्वारा भारत में जापानी मेडिकल मैन्युअल थेरेपी की शुरुआत करने के लिए ब्लाइंड स्कूल को चुना गया। जापान की Tsukuba (सुकुबा) यूनिवर्सिटी द्वारा संचालित इस कोर्स को JICA द्वारा स्पॉन्सर किया गया। इस कोर्स को पढ़ाने के लिए जापान से ग्रांड मास्टर अहमदाबाद आए।

With grand masters Saburo Sadada and Ken Adachi

मैंने कभी सोचा नहीं था कि हमारे डायरेक्टर इस कोर्स के लिए मुझे सिलेक्ट करेंगे। भारत में पहली बार मास्टर ट्रेनर्स बनाए जाने थे और उसके लिए बीपीए द्वारा मुझे भी चुना जा रहा था। मुझे प्रसन्नता बहुत थी लेकिन एक बात का डर भी था कि पढ़ाई छोड़कर इतने साल हो गए अब फिर से एक साल कैसे पढ़ाई की जाएगी लेकिन मेरे पति और बच्चोंकी तरफ से मुझे प्रोत्साहन मिला और मैंने एक साल जापानी मेडिकल मैन्युअल थेरेपी की पढ़ाई की।

इस दौरान हमें एक महीने के लिए जापान जा कर एडवांस कोर्स करने का मौका मिला। इसी कोर्स के दौरान एक हफ्ते के लिए थाईलैंड में वर्ल्ड ब्लाइंड यूनियन के सेमिनार में भाग लेने का अवसर मिला।

कोर्स पूरा होने के बाद जब सर्टिफिकेट मेरे हाथ में आया तो मुझे बहुत गर्व हुआ कि मैं आज बीपीए के कारण अपनी एक पहचान रखती हूँ। मैं भारत के पहले मास्टर ट्रेनर्स में से एक हूँ बाकी मेरे साथी प्रज्ञाचक्षु हँस।

इसके पश्चात 2016 से मैंने जापानी मेडिकल मैन्युअल थेरेपी के मास्टर ट्रेनर के रूप में बीपीए में ही पढाना शुरू किया और आजतक 2 साल के कोर्स में मास्टर ट्रेनर के रूप में काम कर रही हूँ।

Japan's first lady Mrs. Aki Abe enjoying the therapy by my blind student

ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन के फिजियोथैरेपी डिपार्मेंट के अंतर्गत जापानी मेडिकल मैन्युअल थेरेपी का विभाग है जहां पर हमारे द्वारा तैयार किए गए थैरेपिस्ट पेशेंट को ट्रीटमेंट भी देते है और यह ट्रीटमेंट निशुल्क दिया जाता है।

सन् 2022 में मेरा सिलेक्शन NASEOH (National Society For Equal Opportunity For The Handicapped, India) के best volunteer of the year के लिए किया गया और मुझे 9 दिसंबर 2022 को मुंबई में इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुझे यह पुरस्कार मेरे स्टूडेंट का मेरे ऊपर भरोसा और मेरी लगन के कारण मिला जिसका मुझे गर्व है।

25 साल पहले एक रीडर की तरह आई थी तब मैंने कल्पना नहीं की थी कि समय के साथ साथ मेरे स्टूडेंट्स मेरा एक परिवार बन जाएंगे।

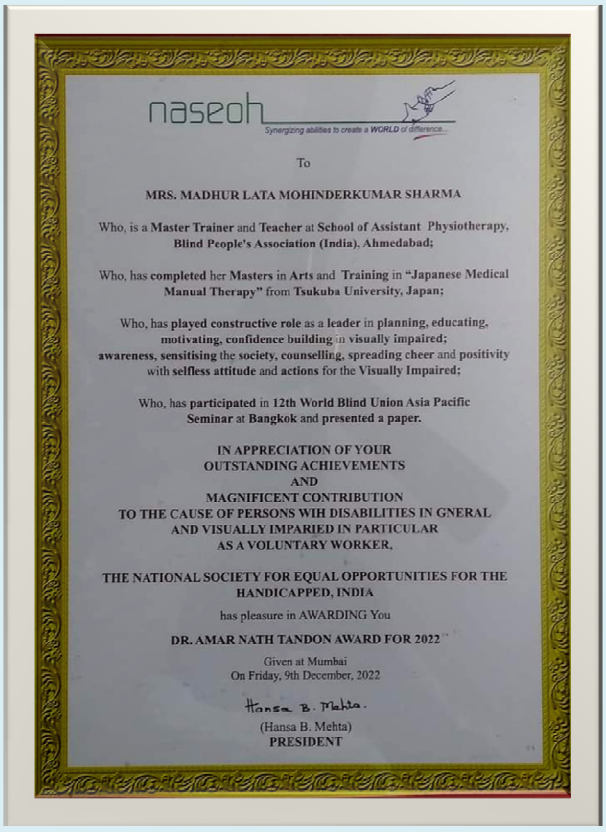

naseoh
Synergizing abilities to create a WORLD of difference...

To

MRS. MADHUR LATA MOHINDERKUMAR SHARMA

Who, is a **Master Trainer** and **Teacher** at **School of Assistant Physiotherapy, Blind People's Association (India), Ahmedabad;**

Who, has **completed** her **Masters** in **Arts** and **Training** in **"Japanese Medical Manual Therapy"** from **Tsukuba University, Japan;**

Who, has **played constructive role** as a **leader** in **planning, educating, motivating, confidence building** in **visually impaired; awareness, sensitising** the **society, counselling, spreading cheer** and positivity with **selfless attitude** and **actions** for the **Visually Impaired;**

Who, has **participated** in **12th World Blind Union Asia Pacific Seminar** at **Bangkok** and **presented a paper.**

IN APPRECIATION OF YOUR OUTSTANDING ACHIEVEMENTS AND MAGNIFICENT CONTRIBUTION TO THE CAUSE OF PERSONS WIH DISABILITIES IN GNERAL AND VISUALLY IMPARIED IN PARTICULAR AS A VOLUNTARY WORKER,

THE NATIONAL SOCIETY FOR EQUAL OPPORTUNITIES FOR THE HANDICAPPED, INDIA

has pleasure in AWARDING You

DR. AMAR NATH TANDON AWARD FOR 2022

Given at Mumbai
On Friday, 9th December, 2022

Hansa B. Mehta.
(Hansa B. Mehta)
PRESIDENT

The NASEOH Award

अंत में एक महत्वपूर्ण बात में अवश्य बताना चाहूंगी कि मेरी इस सेवा और बीपीए का मेरे प्रति विश्वास देख कर मेरी बहुत सारी सहेलियाँ भी आगे आई है। अपने सैक परिवार में से ही मेरी पांच सहेलियाँ आज मेरे साथ मिलकर ब्लाइंड स्टूडेंट्स के लिए मदद का कार्य कर रही है और मुझे आशा है कि मेरी लगन और सेवा में मेरा साथ देने के लिए और आप लोग भी आगे आएंगे।